जिला कांग्रेस ने संविधान निर्माता को किया याद, किया माल्यार्पण

खंडवा। भारत के संविधान निर्माण बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी की जन्मजयंती के अवसर पर मंगलवार 14 अप्रेल को जिला एवं मुंदी नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा मुंदी मे उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

परियोजना की राखड से भरा बलकर पलटा, बड़ा हादसा टला

खंडवा/मूंदी। मूंदी नगर के लाल बहादुर शास्त्री बस स्टैंड पर बीती रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक बलकर वाहन (एमपी12 जेडजे5185) अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना रात के समय होने के कारण बस स्टैंड पर लोगों की आवाजाही नहीं थी, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बलकर तेज रफ्तार में था और अचानक नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन पलट गया। इस दौरान चालक को चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए भेजा गया। हादसे में नगर परिषद द्वारा हाल ही में निर्मित फाउंटेन वाल को भी भारी नुकसान पहुंचा है। वाहन की टक्कर से संरचना क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे नगर परिषद को आर्थिक नुकसान हुआ है। सुबह जैसे ही घटना की जानकारी लोगों को मिली, बस स्टैंड पर बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। घटना स्थल पर काफी देर तक भीड़ का जमावड़ा लगा रहा।

संत शिरोमणि श्री सेन महाराज की जयंती पर निकली शोभायात्रा

खंडवा/मूंदी। मंगलवार को मुंदी मे संत शिरोमणि श्री सेन महाराज जी की जयंती के अवसर पर सेन समाज मुंदी द्वारा विशाल शोभा यात्रा निकाली गई।जिसमे बड़ी संख्या मे सेन समाजजन सम्मिलित हुये।शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकली।इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण जिलाध्यक्ष सहित कांग्रेसजनों ने नगर स्थित लाल बहादुर शास्त्री बस स्टैंड पर शोभायात्रा का स्वागत किया।

सद्भावना मंच ने माल्यार्पण कर बाबा साहेब को किया नमन

खंडवा। सदभावना मंच में संस्थापक प्रमोद जैन की अध्यक्षता में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 136 वीं जयंती मनाई गयी। यह जानकारी देते हुए मंच के निर्मल मंगवानी ने बताया कि प्रमोद जैन ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर लोकप्रिय, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे।आनंद तोमर ने कहा डा. अंबेडकर जी का आदर्श वाक्य था ज़िंदगी लंबी नहीं महान होनी चाहिए, शिक्षित करो, आंदोलन करो, संगठित करो। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था। इस मौके पर मंच संस्थापक प्रमोद जैन, पूर्व डीएसपी आनंदपाल तोमर, डॉ. जगदीशचंद्र चौरे, केबी मंसारे, सुरेंद्र गीते, ओम पिल्ले, डा. एमएम कुरेशी, त्रिलोक चौधरी, ललीत चौरे, सुमेर सिंह कोठारे, एनके दवे, निर्मल मंगवानी, राधेश्याम शाक्य, कमल नागपाल, किरण लखोरे, सुभाष मीणा, कैंलाश पटेल आदि सहित अनेक मंच सदस्यों व्दारा अपने विचार व्यक्त कर बाबा साहब के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित किये गये।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर दरियापुर में विचार, सम्मान और सामाजिक संकल्प का संगम, राहुल जाधव की मौजूदगी में आयोजन

नेपानगर/नावरा मंडल। भाजपा नावरा मंडल के ग्राम दरियापुर में संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक जागरूकता के भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को स्मरण किया गया और समाज में समानता, अधिकार एवं शिक्षा के महत्व पर चर्चा हुई। इस अवसर पर यूथ आइकॉन एवं पूर्व जिला महामंत्री राहुल जाधव, जिला मंत्री सोनू भावसार जी,भाजपा मंडल अध्यक्ष क्षितिज महाजन,वरिष्ठ नेता दौलत कोल्हे,युवराज पाटिल,सुंदरलाल दायमा, गुड्डू भाई,कमलेश कीर, मंडल महामंत्री सुनील यादव जी, अरविन्द पालवी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें संविधान के मूल तत्व न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व—को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और आत्मसम्मान का प्रतीक है, जिसे आज भी समाज में अपनाने की आवश्यकता है।

जयंती पर सामाजिक समरसता का संदेश- पूर्व भाजपा जिला महामंत्री राहुल जाधव ने कहा की बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमें केवल संविधान ही नहीं दिया, बल्कि एक ऐसा मार्ग भी दिखाया, जिसमें हर व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और न्याय मिले। आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों को केवल कार्यक्रमों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने व्यवहार और समाज की संरचना में उतारें। शिक्षा, जागरूकता और संगठन के माध्यम से ही हम एक सशक्त और समरस समाज का निर्माण कर सकते हैं। बाबा साहेब का सपना तभी साकार होगा, जब अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बने। कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने सामाजिक समरसता, शिक्षा के प्रसार और संविधान के मूल्यों के पालन का संदेश आगे बढ़ाने का निर्णय लिया।

इनकम टैक्स में बड़ा बदलाव : नए नियमों से मिडिल क्लास को राहत

अब 12 लाख रुपए तक आय पर टैक्स में बड़ी छूट

नई दिल्ली/स्थानीय संदर्भ। नए वित्तीय वर्ष के साथ देश में आयकर व्यवस्था में व्यापक बदलाव लागू किए गए हैं, जिनका सीधा असर आम करदाताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग पर देखने को मिल रहा है। नई कर व्यवस्था के तहत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार अब लगभग रुपये 12 लाख तक की वार्षिक आय पर प्रभावी रूप से टैक्स राहत मिल सकती है, जिससे सैलरी पाने वाले वर्ग को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नई व्यवस्था का उद्देश्य कर प्रणाली को सरल बनाना और अधिक से अधिक लोगों को संगठित टैक्स ढांचे में लाना बताया जा रहा है। इसके तहत टैक्स स्लैब को इस प्रकार व्यवस्थित किया गया है कि कम और मध्यम आय वर्ग पर कर भार कम हो सके। विशेषज्ञों के अनुसार, छूट और रिबेट के संयोजन से यह लाभ संभव हो पा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में करदाताओं को सीधा फायदा मिल सकता है।

सरल और संतुलित कर व्यवस्था की ओर बदलाव- नए आयकर नियमों के साथ प्रणाली को पहले की तुलना में अधिक सरल, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया गया है। इसका उद्देश्य करदाताओं के लिए कम कागजी प्रक्रिया और स्पष्ट नियमों के माध्यम से टैक्स भुगतान को आसान बनाना है। डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा देते हुए रिटर्न फाइलिंग और अनुपालन को सुगम किया गया है। साथ ही, नई कर व्यवस्था में कई पारंपरिक छूटों और कटौतियों को सीमित करते हुए टैक्स दरों को संतुलित और सरल बनाया गया है, जिससे गणना में आसानी हो और भ्रम की स्थिति कम हो। यह बदलाव विशेष रूप से उन करदाताओं के लिए उपयोगी माना जा रहा है, जो सीधी और स्पष्ट कर प्रणाली अपनाना चाहते हैं।

डिजिटल निगरानी और पारदर्शिता पर जोर- नए नियमों में डिजिटल ट्रैकिंग और रिपोर्टिंग को अधिक महत्व दिया गया है। इससे कर से संबंधित जानकारी अधिक व्यवस्थित तरीके से दर्ज होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे गलत जानकारी देने या टैक्स से बचने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी।इन बदलावों के बाद आम करदाताओं के लिए टैक्स कैलकुलेशन आसान होगा,कम आय वर्ग को राहत मिलेगी,रिटर्न फाइलिंग प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी,डिजिटल माध्यम से कार्य तेजी से होगा।हालांकि, करदाताओं को नई व्यवस्था को समझकर अपने लिए उपयुक्त विकल्प चुनना आवश्यक होगा। आयकर व्यवस्था में यह बदलाव केवल नियमों का संशोधन नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को सरल और आधुनिक बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। विशेष रूप से मध्यम वर्ग के लिए यह राहत भरा संकेत माना जा रहा है, जिससे उनकी कर देनदारी में संतुलन आने की उम्मीद है।

काव्य संग्रह 'एकांत का शोर' विमोचन एवं मित्र मिलन समागम

खंडवा/झरना। झरना 71 के पूर्व छात्र जिनकी उम्र वर्तमान में70+ है, इस बार इंदौर में एकत्र हुए। इस एल्युमिनी ग्रुप ने तब के सहपाठियों को जोड़ कर रखा हुआ है। झरना 71 ने अपने सहपाठी अजय साकल्ले के काव्य संग्रह को न केवल प्रकाशित किया है वरन यहाँ इंदौर में विमोचन हेतु सभी उपस्थित हुए है। हिंदी के वरिष्ठ कवि अजय साकल्ले के काव्य संग्रह 'एकांत का शोर का विमोचन स्थानीय होटल में सम्पन्न हुआ। काव्य संग्रह का विमोचन झरना71 के मित्र जेके जैन, सेवा निवृत्त हाईकोर्ट जज की अध्यक्षता में, झरना मित्र संतोष चौबे कुलाधिपति सीवी रमन विश्वविद्यालय भोपाल के मुख्य आतिथ्य एवं शिक्षाविद एमआर मंडलोई द्वारा किया गया। स्वागत भाषण झरना मित्र प्रदीप अग्रवाल द्वारा दिया गया।काव्य संग्रह की समीक्षा हर्षवर्धन व्यास द्वारा की गई। मुख्य अतिथि संतोष चौबे ने रचनाओं का पाठ कियाा। साकल्ले को शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दी। समागम एवं विमोचन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मित्रगण एवं पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे। रायपुर से दिनेन्द्र सहगल, भोपाल से नरेंद्र दुबे, जलगांव से प्रदीप अग्रवाल, अयोध्या से रविन्द्र यादव, इंदौर के डॉ. बीएस चौहान, सीए कमलबीर सिंह अजमानी, गिरीश जैन, प्रदीप रुनवाल सेवानिवृत्त डीआईजी एवं अतुल साकल्ले परिवार सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजीव शाह द्वारा किया गया। कवि अजय साकल्ले का आत्मकथ्य वाचन संदीप अत्रे द्वारा किया गया। अंत मे आभार प्रदर्शन प्रदीप अग्रवाल द्वार किया गया।

पंचकल्याणक महोत्सव के तहत तीसरे दिन जन्म कल्याणक की विशाल शोभायात्रा निकाली गई

अहम-वहम से दूर रहो, समस्या दूर होगी जीवन उत्सव बनेगा- मुनीश्री

सुमेरु पर्वत पर बालक भगवान का 1008 कलशो से हुआ जल से अभिषेक

जन्म कल्याणक के दिन पूरी अयोध्या नगरी में उत्साह नजर आया

खंडवा। आप सभी का अहो भाग्य है कि भगवान के पंचकल्याणक के माध्यम से पाषाण एवं अष्टधातु की प्रतिमाओं को अपनी आंखों से परमात्मा बनते हुए देख रहे हैं। धार्मिक अनुष्ठान में बड़े उत्साह के साथ शामिल होकर सभी क्रियायो को देखकर अपने जीवन का कल्याण करते हुए पुण्य की प्राप्ति करें। पंचकल्याणक महोत्सव में आज हम सभी ने भगवान के जन्म को देखा। हम सभी अपने मानव जीवन को देव शास्त्र गुरु के प्रति समर्पण रखते हुए ऐसे धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर जीवन को उत्सव बनाये, ये उदगार पंचकल्याणक के तीसरे दिन जन्म कल्याणक दिवस को प्रवचन के माध्यम से संबोधित करते हुए जैन संत आदित्य सागर जी महाराज ने व्यक्त किये, मुनि श्री ने कहा कि अहम और वहम को छोड़कर के जीवन को उत्साहीत बनाए,गलतियां कम और गलत फहमिया ज्यादा पाल रखी है हमने, गलतफहमियां दो भाइयों को अलग कर देती है,अहम और वहम दोनों से अलग रहना सीखो,समस्याओं का समाधान ढूंढ कर जीवन को उत्सव बनाएं,अहम और वहम ऐसे जहर है जिसकी कोई दवा ही नहीं है, हम (संत) ना अहम पालते हैं ना वहम पालते है इसलिए परस्पर प्रीति से रहते हैं,जो व्यक्ति अहंकार में है कि में ही सब कुछ हूं उसकी नाव निश्चित ही डूबेगी,जीवन में तीन काम जरुर करना चाहिए पहला पंचकल्याणक में सौधर्म इंद्र बनना,दूसरा परिवार के साथ सम्मेद शिखर जी की यात्रा करना और तीसरा सिद्धचक्र मंडल विधान करवा देना।, मुनि श्री ने कहा कि युवाओं का जोश होगा, तब ही तो होगा जय घोष,समाज के बुजुर्गों द्वारा रिटायरमेंट के पहले नई टीम (युवा) बनाकर जाना चाहिए,छोटी-छोटी गलतियों में जो बहम पालते हैं ,उनके जीवन में कभी भी बड़ी-बड़ी खुशियां नहीं आती है,युवाओं को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने कहा कि मत पड़ो चक्कर में, प्यार मोहब्बत धोखा है दीक्षा ले लो मौका है, व्यक्ति का अहंकार धर्म को अधर्म की ओर ले जाता है,इसलिए अहम और वहम कभी नहीं पालना चाहिए। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया पंचकल्याणक में जन्मकल्याणक दिवस का

अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है, जो तीर्थंकर के अवतरण का उत्सव है। जब भगवान जन्म लेते हैं तो चारों ओर उत्सव मनाया जाता है। इंद्र इंद्राणी उत्साह के साथ नृत्य करते है। अयोध्या नगरी के पंडाल में भगवान के जन्म कल्याणक पर पूरा पंडाल खुशी से झूम उठा। जन्म के पश्चात अयोध्या नगरी से बालक भगवान को लेकर ऐरावत हाथी पर सवार होकर सौधर्म बने इंद्र संजय वंदना कासलीवाल एवं दूसरे हाथी पर सवार कुबेर इंद्र जितेंद्र सपना लोहाडिया द्वारा पूरे शोभायात्रा मार्ग में रत्नो की वर्षा की गई सो धर्म इंद्र इंद्राणी द्वारा कपड़े और साड़ियां श्रद्धालुओं को समर्पित की गई। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि जन्म कल्याण दिवस की इस शोभायात्रा में दो हाथी 10 घोड़े 10 बग्गीया जिसमें सभी इंद्र इंद्राणी विराजमान थे। बैंड बाजे भोपाल से आया बैंड बाजे वाला दल जिन्होंने अपने शानदार करतब यात्रा में दिखाएं। ढोल और भजनो के बीच पुरुष वर्ग युवा एवं मातृशक्ति पूरे मार्ग पर भक्ति नृत्य कर उत्साह मना रही थी। शोभा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होकर अयोध्या नगरी पहुंची जा बालक भगवान को सो धर्म इंद्र द्वारा सुमेरु पर्वत पर विराजमान किया गया। सर्वप्रथम सौधर्म इंद्र ने बालक भगवान का जल से अभिषेक किया। इसके उपरांत स्वर्ण कलश से प्रथम कलश करने का सौभाग्य तरुण कैलाश गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ 1008 कलशो से सुमेरु पर्वत पर बालक भगवान का जन्म जल अभिषेक इंद्र इंद्राणियों के साथ श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। कहते हैं कि जो बालक भगवान का जन्माभिषेक करते हैं उन भव्य जीवों के लिए मोक्ष मार्ग की शुरुआत और संसार में शांति की प्राप्ति होती हें। प्रचार मंत्री सुनील जैन, प्रेमांशु जैन, पंकज सेठी ने बताया कि पंचकल्याणक महोत्सव के तीसरे दिन भगवान का जन्म कल्याणक धार्मिक उत्सव के साथ हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा मनाया गया। प्रातः काल इंद्र दरबार में भगवान का जन्म देखने लायक था। दोपहर में बालक भगवान की खुशियां मनाई गई एवं रात्रि में इंद्र दरबार में पालना सजाकर भगवान को सुलाया गया। विशाल शोभा यात्रा में पंचकल्याणक के सभी इंद्र इंद्राणी के साथ समाज के अध्यक्ष दिलीप पहाड़िया,वीरेंद्र जैन, विजय सेठी,पंकज छाबड़ा,सचिव सुनील जैन के साथ ही समाज के सभी मंडलों के सदस्य उपस्थित रहे।मंचीय कार्यक्रम में सभी क्रियाएं विधानाचार्य पीयूष भैया जी द्वारा कराई गई। शाम की आरती का सौभाग्य राव का परिवार को प्राप्त हुआ। एवं कार्यक्रम का सफल संचालन प्रदीप जैन द्वारा किया गया। आभार अध्यक्ष दिलीप पहाड़िया सचिव सुनील जैन ने माना। पंचकल्याणक के चौथे दिन मंगलवार को तप कल्याणक मनाया जाएगा।

पंचकल्याणक महोत्सव : भजन गायक रूपेश जैन की भजन संध्या आज

खंडवा। नगर में जैन समाज का धार्मिक अनुष्ठान पंचकल्याणक महोत्सव बड़ा उत्साह के साथ चल रहा है बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर इसका लाभ लेकर पूर्ण प्राप्त कर रहे हैं। प्रतिदिन 8 से 10 घंटे कार्यक्रम चल रहे हैं समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि 14 अप्रैल को तापडिया गार्डन अयोध्या नगरी में शाम 7:00 बजे देश के महान जैन भजन गायक कलाकार रूपेश जैन भजनों की शानदार प्रस्तुति अपनी टीम के साथ देंगे। साथ ही 14 अप्रैल मंगलवार को दोपहर 1:30 इसी कार्यक्रम में स्वस्थ जीवनशैली मजबूत स्वास्थ्य का आधार है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला खंडवा द्वारा आमजन में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए सीपीआर (कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण का आयोजन भी आयोजित होगा। दोनों कार्यक्रम का संचालन के द्वारा किया जायेगा। रेडक्रॉस सोसाइटी खंडवा के तत्वावधान में जिला अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सको द्वारा उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाजजनों को सीपीआर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आमजन को आपातकालीन स्थिति में हृदयगति रुकने पर प्राथमिक सहायता प्रदान करने के लिए सक्षम बनाना है, जिससे समय रहते किसी व्यक्ति का जीवन बचाया जा सके। रेडक्रॉस सोसाइटी खंडवा ने समाजजनों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होकर जीवन रक्षक तकनीक सीखने की अपील की है।

परशुरामजी की चरण पादुका यात्रा का ओंकारेश्वर में स्वागत

ओंकारेश्वर। भगवान परशुरामजी की चरणपादुका यात्रा 200 लोगों के जत्थे के साथ सोमवार रात 10 बजे के लगभग ओंकारेश्वर पहुंची। इसमें भगवान परशुरामजी की चरण पादुकाएं हैं। चार बसें एवं एक रथ के साथ यात्रा ओंकारेश्वर पहुंची।

12 साल से निकल रही यात्रा- यह यात्रा लगातार 12 वर्षो से श्री परशुराम प्रतिष्ठान अहिल्यानगर से निकाली जा रही है। ओंकारेश्वर में श्री गजानन होटल कोठी मुख्य मार्ग पर पादुका पूजन किया गया। गजानन होटल ओंकारेश्वर की तरफ से हेमंत दातार एवं रेखा दातार ने यात्रियों का स्वागत माला पहनाकर एवं शॉल एवं श्रीफल भेंट कर किया गया।

पादुका यात्रियों का स्वागत- 200 से अधिक यात्रियों की व्यवस्था भी गणेश नगर में की गई है। यात्रा के प्रमुख सिद्धेश्वर मिसल, सोनाली मिसल, विजय देशपांडे, अनंत कुलकर्णी और अन्य लोग शामिल थे। इन यात्रियों को ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर और ममलेश्वर की नगरी पसंद आई। ओंकारेश्वर और ममलेश्वर दर्शन के बाद मंगलवार को सुबह अन्य क्षेत्र के लिए यात्रा रवाना हुई।